हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

10 थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार, घबराएं नही

10 इंडस पब्लिक स्कूल में सप्लैश फन का आयोजन

खबर संक्षेप

चोरी का आरोपित दबोचा पचास हजार रुपये बरामद

जुलाना। रामकली गांव में घर में चोरी पर पुलिस ने एक आरोपित को काबू किया है। आरोपित की पहचान रामकली गांव निवासी अमित के रूप में हुई है। रामकली गांव निवासी अनिल ने शिकायत में बताया कि आढ़ती से जमीदारा के लिए दो लाख लिए थे। पुलिस ने चोरी की गई 50 हजार की नगदी भी आरोपी से बरामद की है।

रोजगार मेले का आयोजन 28 को

कैथल। जिला रोजगार अधिकारी ममता कुमारी ने बताया कि जिले के युवाओं को रोजगार व अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 28 मई को सुबह 10 बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में प्रतिष्ठित कंपनियों भाग लेंगी और युवाओं का चयन करेंगी।

आश्रम का ताला तोड़ 70 हजार रुपये-अंगूठी चोरी

जींद। गांव कर्मगढ़ दादूराम आश्रम का ताला तोड़ कर चोरों ने 70 हजार रुपये की नगदी तथा महंत की सोने की अंगूठी को चोरी कर लिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने आश्रम के सेवादार की शिकायत पर गांव के ही एक व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। गांव कर्मगढ़ निवासी अली मोहम्मद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव के दादूराम आश्रम में सेवादार है।

चावल के 14 बैग चोरी के तीन आरोपित गिरफ्तार

कैथल। गांव कैलरम स्थित हैफेड से चावल के 14 बैग चोरी करने के मामले की जांच थाना कलायत पुलिस के एएसआई मंजीत सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी रामनगर कैथल निवासी अजय उर्फ बजरंगी, सैनी मोहल्ला कैथल निवासी लवली व वाल्मीकि बस्ती कैथल निवासी कमलदीप उर्फ कालिया को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिए गए।

कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश, मामला दर्ज

जींद। फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर अदालत को गुमराह करने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने बंदी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अदालत की तरफ से सिविल लाइन थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रणदीप उर्फ काला के खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज हैं। जो अदालत में विचाराधीन है।

अवैध देशी कट्टा सप्लाई करने का आरोपी दबोचा

कैथल। अवैध असला-अमुनेशन सप्लाई करने वालो पर शिकंजा कसते स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा एक असला सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 18 मई को स्पेशल डिटेक्टिव युनिट के एएसआई संजय कुमार की टीम द्वारा गांव सिसला सड़क के पास से आरोपी गांव सिसमौर निवासी आर्यन उर्फ मोंटी को काबू किया गया था।

मंदिर से एक लाख रुपये की नकदी-सामान चोरी

जींद। गांव बिघाणा में बीती रात चोरों ने भगवान परशुराम मंदिर के दान पात्र को तोड़ कर एक लाख रुपये की नगदी व अन्य सामान को चोरी कर लिया। अलेवा थाना पुलिस ने मंदिर कमेटी की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवती को भगा ले जाने के आरोप में केस दर्ज

कैथल। सीवन पुलिस में लड़की को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीवन थाना पुलिस के तहत आने वाले गांव के व्यक्ति ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 22 को भूना का करण उसकी बेटी को शादी का झांसा देकर भगा ले गया। उसने उनके आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

जींद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मेजर मनजीत को कीर्ति चक्र से सम्मानित करते।

आतंकवादी को ढेर कर मेजर मंजीत ने बढ़ाया जींद का मान

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से कीर्ति चक्र का सम्मान क्षेत्र के लिए बना गर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

असाधारण साहस और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के कारण आतंकवादी को ढेर कर देश के नागरिकों और बच्चों की जान बचाकर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से कीर्ति चक्र का सम्मान पाने वाले मेजर मंजीत गिल जींद के सैक्टर 11 में रहने वाले है। जींद जिले की सीमा से सटे गांव मिर्चपुर में जन्में और पले व बढ़े मंजीत गिल का शौर्य देश के लोगों की जुबां-जुबां पर आने से उनके जींद निवास पर बधाई देने वालो का तांता लगा है। शिक्षक पिता वीरभान और धरती का सीना चीर कर देश के लिए अन्न उपजाने वाले दादा दलीप सिंह से जो राष्ट्रसेवा का जज्बा सीखा उसे देश का आवाम 25 अप्रैल 2024 की रात को देख चुका है। दरअसलए मेजर मनजीत ने एक विश्वसनीय सूत्र से मिली सूचना के आधार पर सोपोर जिले के एक गांव में दो विदेशी आतंकवादियों की गतिविधियों का सावधानीपूर्वक पीछा किया। संदिग्ध लक्ष्य परिसर को चिन्हित करने के दौरान अधिकारी ने सावधानीपूर्वक एक प्रारंभिक घेरा स्थापित किया और 25 अप्रैल 2024 पूरी रात आतंकवादियों द्वारा लगातार घेरा तोड़ने के प्रयासों के बावजूद अटूट प्रतिबद्धता बनाए रखी।

लगातार गोलीबारी की मार झेलने के बावजूद मंजीत ने असाधारण साहस का परिचय दिया और अपने आसपास के खतरे की परवाह किए बिना आतंकवादी की ओर रेंगना शुरू कर दिया। उन्होंने देखा कि आतंकवादी स्काउट पर हमला करने के लिए एक ग्रेनेड फेंकने की तैयारी कर रहा है। अटूट दृढ़ संकल्प के साथ अधिकारी ने भीषण गोलीबारी की और खतरे पर काबू पाते आतंकवादी को मार गिराया। असाधारण वीरता और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए मेजर मनजीत को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

परिजनों को बधाई दे रहे लोग

मेजर मनजीत ने आंगनबाड़ी में कार्यरत अपनी मां निर्मला देवी के दूध का कर्ज देश सेवा कर बखुबी तौर से चुकाया है। देश के लिए अपनी जान को हथेली पर रखकर आतंकवादी को ढेर करने के इस शौर्य पर जींद और गांव मिर्चपुर के लोग बड़ा गर्व करते उनके परिजनों को बधाई दे रहे है। मेजर मनजीत की धर्मपत्नी राधिका जहां कंपनी में कार्यरत हैं वहीं उनका भाई भारतीय रेलवे मे स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत है। ज्योंही देश की महामहीम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मेजर मनजीत को कीर्ति चक्र से सम्मान दिया त्यों ही उनकी शौर्य गाथा सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने लगी।

अस्पताल के पास मौजूद 150 ऑक्सीजन सिलेंडरों को रिफिल करवाने के निर्देश

कोविड-19: जिला स्वास्थ्य विभाग अलर्ट आरटीपीसीआर और रैपिड टेस्ट किट नहीं

सुभाष नगर तथा विश्वकर्मा कालोनी के हेल्थ वैलनेस सेंटर का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

देश तथा प्रदेश में आ रहे कोरोना के मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। हालांकि अभी तक संदिग्धों की जांच का कार्य शुरू नही हुआ है और ऐसे मरीजों को दवाइयां देकर अहतियातत बरतने के लिए कहा जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा कोरोना, मच्छरजनित रोगों के अलावा गर्मी के मौसम मे होने वाली डायरिया, हैजा व पीलिया जैसी बीमारियों को लेकर गली-गली मोहल्लों व गांवों में दस्तक दी जा रही है और जागरूक किया जा रहा है। जींद अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट खराब है। ऐसे में अहतियात के तौर पर अस्पताल के पास मौजूद सभी 150 ऑक्सीजन गैस सिलेंडरों को भरवाने के आदेश दिए गए हैं। ऑक्सीजन प्लांट को ठीक करवाने के लिए उच्च अधिकारियों को रिमाइंडर भेज दिया गया है। नागरिक अस्पताल में फिलहाल कोविड सैंपलिंग शुरू नही हुई है और न ही किसी तरह के अलग काउंटर लगाए गए है। तीसरी लहर में जो काउंटर बंद किए थे वो अभी बंद ही पड़े हैं। इसके अलावा आमजन को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। आरटीपीसीआर और रैपिड टैस्ट को लेकर विभाग के पास किट नही है। रिमाइंडर भेजा है। अस्पताल की नई बिल्डिंग में 50 से ज्यादा ऑक्सीजन बेड की व्यवस्था है। सभी बेड पर ही ऑक्सीजन सप्लाई की व्यवस्था है। इसके अलावा फिलिंग ऑक्सीजन प्लांट पूरी तरह से कार्य कर रहा है। अस्पताल प्रशासन ने अपने पास मौजूद 150 ऑक्सीजन गैस सिलेंडरों को रिफिल करवा लिया है। जींद जिले में कुल 25990 लोग कोरोना पॉजिटिव मिले थे। हालांकि वर्ष 2025 में अभी तक कोई भी पॉजिटिव नहीं आया है। जिले में अबतक 553 लोगों की मौत कोरोना के कारण हो चुकी है। इसके अलावा जिले में साढ़े 10 लाख लोगों को वैक्सीन भी लगाई जा चुकी है।

सीएमओ डा. सुमन कोहली के निर्देशानुसार वरिष्ट स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा ने सुभाष नगर तथा विश्वकर्मा कालोनी के हैल्थ वैलनेस सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि बताया कि स्वास्थ्य कर्मचारियों ने शहर की दर्जनभर कालोनियों में घर-घर जाकर लोगों को बीमारियों से बचाने के प्रति जागरूक करने का कार्य किया। 20 बुखार से पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने लिए। अभियान में स्वास्थ्यकर्मी दिनेश, विनोद, देवेंद्र, सोनिया, राजरानी, सविता, सीता देवी, पूनम, अंजू, सुमन, राधा, उर्मिला, अश्मीना, शीला, मंजू, मुकेश, नीलम आदि मौजूद थे।

जींद। रक्त के सैंपल लेते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

हिदायतों की पालना करें : सीएमओ

सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली ने बताया कि कोरोना को देखते हुए इससे बचने के लिए सरकार की हिदायतों की पालना करवाई जा रही है। प्रत्येक व्यक्ति यदि थोड़ी सी सावधानी करके अपने घर तथा आसपास की सफाई का ध्यान रखे तो मौसमी बीमारियों से निजात पा सकता है। इसके अलावा पानी साफ करने वाली हेलोजन की गोलियां, जिंक की टेबलेट तथा ओआरएस भी वितरित किए और पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए गए हैं।

गुखाम-खांसी की तुरंत जांच करवाएं

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि जुखाम, खांसी होने पर तुरंत जांच करवाएं और मास्क का प्रयोग करें। यदि सर्दी व कंपन के साथ तेज बुखार, उल्टियां लगने, गर्मी लगने, बुखार एक दिन छोड़ कर दूसरे दिन आने, उल्टी दस्त होने, शरीर में कमजोरी आने पर मरीज को तुरंत अपने आसपास के स्वास्थ्य केंद्र या स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पास ले जाकर खून की जांच करवाने के उपरान्त ही इलाज लेना चाहिए।

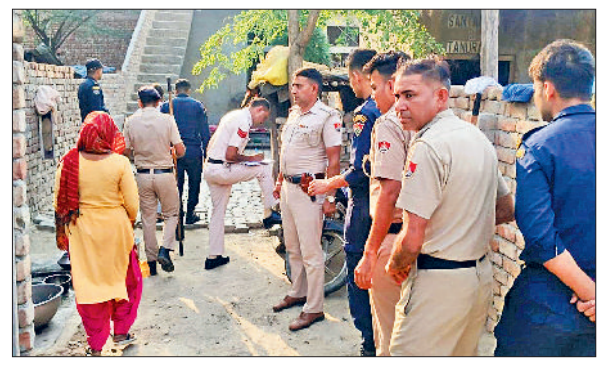

कैथल। जांच व पूछताछ करते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

नशा बेचकर अर्जित की संपति होगी अटैच: मोदी

- पुलिस ने सर्च आपरेशन चलाकर की 200 घरों की सघन जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

नशा तस्करो की धरपकड़ व अन्य अपराधीक गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार डीएसपी कुलदीप बेनीवाल के नेतृत्व में कैथल पुलिस लगातार प्रयासरत है। शनिवार को थाना शहर, कलायत, राजौंद, गुहला क्षेत्र में कमांडो दस्ते के साथ 30 पुलिस टीमों में शामिल करीब 250 पुलिस कर्मचारियों द्वारा स्नाईपर डॉग की सहायता से सर्च आपरेशन चलाया गया। जिसके तहत पूरे क्षेत्र में आमजन के मन में सुरक्षा के भावों को पूख्ता किया गया व करीब 200 संदिग्ध घरो की जांच सहित अन्य जगह की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ छीपा रखा हो या कोई नशा बेचने वाला या अपराधीक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो।

जिले को नशा मुक्त बनाना उद्देश्य: एसपी

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि सुबह-सुबह चलाए अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना व अपराधियों में भय उत्पन्न करना है। कहा कि इस अभियान में मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों और आपराधिक कार्यों में शामिल आरोपी जो गैर कानूनी तरीके से रह रहे हों पर शिकंजा कसना है, जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके साथ साथ पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन के अलावा वहां मौजूद आमजन को समझाया गया कि किसी प्रकार के मादक पदार्थ बेचने वाले या अन्य किसी अपराधी के बारे में पुलिस को सूचित करें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा, इसके साथ साथ नशा ना करने बारे भी जागरूक किया गया। पुलिस का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा और इससे या तो अपराधीक व्यक्ति अपराध करना छोड़ देगा या वह कैथल के क्षेत्र को छोड़ देगा। नशा तस्करो को कड़ा संदेश देते एसपी ने कहा की नशा बेचकर अर्जित की गई संपति की भी जांच पड़ताल की जा रही है।

कैथल मार्ग पर जलभराव ने बिगाड़ी दुकानदारों की रोजी-रोटी, जिला प्रशासन मौन,नेता बेखबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कैथल मार्ग पर स्थित दुकानदार पिछले 2 वर्षों से गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। हर बार बारिश के बाद यहां सड़कों पर पानी भर जाता है, जो कई-कई दिनों तक जमा रहता है। यह जलभराव सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि दुकानदारों के लिए आर्थिक तबाही का कारण बन चुका है। स्थानीय दुकानदार सुंदर, आशु, अमित कुमार, पालाराम का कहना है कि बारिश का पानी उनकी दुकानों के सामने लंबे समय तक जमा रहता है, जिससे ग्राहक उनकी ओर रुख नहीं करते और उनका व्यापार पूरी तरह चौपट हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि अब बदबू और मच्छरों के चलते वहां बैठना तक मुश्किल हो गया है। दुकानदार दिनभर इस नारकीय हालात में मजबूरी में समय बिता रहे हैं। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार विधायक और प्रशासन से गुहार लगाई, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली। नाले समय पर साफ नहीं किए जाते, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पाती और स्थिति हर बारिश के बाद और भी बदतर होती जा रही है।

सरकारी और निजी स्कूलों के समय में बदलाव

12वीं कक्षा तक के स्कूल सुबह सात से दोपहर साढ़े 12 बजे तक खुलेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भीषण गर्मी को देखते हुए जींद जिले में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने पत्र जारी करते कहा कि पहली से 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूल विद्यार्थियों के लिए सुबह सात बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे तक खुले रहेंगे। डीसी मोहम्मद इमरान रजा के निर्देश के बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों के समय बदलने को लेकर सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। अब तक सुबह आठ बजे से लेकर ढाई बजे तक स्कूल खुले रहते थे। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार सबसे ज्यादा गर्मी और लू दोपहर दो से तीन बजे के बीच में होती है।

इस कारण स्कूली बच्चों के गर्मी की चपेट में आने का खतरा बना रहता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट स्कूल संचालकों को भी सुबह सात से साढ़े 12 बजे तक ही स्कूल खोलने के लिए कहा है। जींद जिले में 724 राजकीय स्कूल और लगभग 380 प्राइवेट स्कूल हैं। जिले में पिछले एक सप्ताह से गर्मी का प्रकोप देखने को मिल रहा है। हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू का लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसे लेकर जिला प्रशासन द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इस समय अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक पहुंच गया है। इतनी गर्मी में बच्चोंए महिलाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पडने का खतरा रहता है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है।

स्कूलों के समय में बदलाव

खंड शिक्षा अधिकारी राजपाल देशवाल ने कहा कि पहले सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर ढाई बजे तक स्कूल लगता था। गर्मी का असर पर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर नहीं पड़ेए इसके लिए अभी स्कूलों के समय में बदला है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। अब सुबह सात बजे से लेकर दोपहर साढ़ 12 बजे तक स्कूल लगेंगे।

अब लोगों को समस्याओं से मिलेगी निजात, जल्द प्रारंभ होंगे विकास कार्य

कैथल को मिला सात कॉलोनियों के वैध होने का तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सरकार ने शहर की बची हुई 13 में से सात अवैध कॉलोनियों को वैध कर दिया है। अब इन कॉलोनियों के वैध होने के बाद कॉलोनियों में विकास कार्य शुरू होंगे और लोगों को समस्याओं से निजात मिल पाएगी। इन कॉलोनियों के लोग पिछले लंबे समय से कॉलोनियों के वैध होने का इंतजार कर रहे थे।

जबकि दो साल पहले ही वर्ष 2023 की जुलाई में सरकार ने शहर की 33 में से 20 कॉलोनियों को वैध किया था। अब सात कॉलोनियां और वैध होने के बाद 27 कॉलोनियों को वैध किया जा चुका है। कॉलोनियों के वैध होने के बाद देवीगढ़ रोड पर कॉलोनी वासियों ने लड्डू बांटकर खुशी जताई है। पिछले कई वर्षों से इन कॉलोनियों में रह रहे लोग कॉलोनी के वैध होने का इंतजार कर रहे थे। इन कॉलोनियों के वैध होने से करीब 20 हजार की आबादी को फायदा होगा। देवीगढ़ कॉलोनी फेज टू के वैध होने से काफी खुशी है। वार्ड वासियों ने लड्डू बांटकर खुशी जताई है। वे इस कार्य को लेकर नप अध्यक्ष सुरभि गर्ग व मुख्यमंत्री नायब सैनी का आभार जताते है।

कैथल। कालोनी वैध होने पर एक दूसरे को मिठाई खिलाते कालोनीवासी।

लोगों को फायदा होगा

सरकार की तरफ से शहर की सात कॉलोनियों को वैध किया गया था। इन कॉलोनियों को वैध होने से लोगों को काफी फायदा होगा। अब इनर कॉलोनियों में विकास कार्य भी जल्द शुरू हो जाएंगे। इससे पहले भी वर्ष 2023 में 20 कालोनियां सरकार ने वैध की थी। इन कॉलोनियों में करोड़ों रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में कैथल शहर का विकास कार्य तेजी से हो रहा है। बड़े-बड़े प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। - *सुरभि गर्ग, अध्यक्ष नगर परिषद, कैथल।*

ये कॉलोनियां हुई हैं वैध
- शुगर मिल कॉलोनी पार्ट वन
- देवीगढ़ कॉलोनी फेज टू
- भगत सिंह कॉलोनी एक्सटेंशन-चार
- मलिक नगर
- केशव मार्केट
- बालाजी कॉलोनी
- शोरा कोठी कॉलोनी

ओएलएक्स पर कार बेचने के नाम पर 4.35 लाख ठगे

कैथल। धनौरी गांव में कार खरीदने के नाम पर चार लाख 35 हजार रुपये ठगने का मामला सामने आया है। इस मामले में आरोपी ने पीड़ति को जो चेक दिए, जिनमें नाम की स्पेलिंग गलत होने के कारण वे बैंक में जमा नहीं हुए।जब आरोपी को फोन किया गया तो उसने कॉल भी रिसीव नहीं की। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कैथल सदर थाना की पुलिस में दी गई शिकायत में धनौरी गांव निवासी मनोज ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करता है। उसके पास बोलेरो गाड़ी थी। वह अपना मकान बनवाना चाहता था, जिसके लिए उसने अपनी गाड़ी बेचने की योजना बनाई। 29 नवंबर 2024 को उसने एक दोस्त के माध्यम से गाड़ी बेचने के लिए ओएलएक्स पर फोटो डाली। गाड़ी देखने के बाद उसके पास डोहाना खेडा जिला जींद निवासी विक्रम का फोन आया था।

खबर संक्षेप

हमला कर युवक को घायल करने पर केस

जींद। गांव आसन में बीयर की बोतल से हमला कर युवक को घायल करने पर सदर थाना पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव आसन निवासी सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेत की जुताई के लिए गांव के ही संदीप के पास जा रहा था। उसी दौरान सुनील तथा सुमित ने उसके सिर पर बीयर की बोतल से वार कर दिया।

मकान से पचास हजार की नकदी चोरी, केस

जींद। गांव रामकली में मकान से पचास हजार रुपये गायब होने पर जुलाना थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव रामकली निवासी अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने पचास हजार रुपये संदूक में रखे हुए थे। जो चोरी हो गए। अनिल ने आरोप लगाया कि गांव का अमित घर से नगदी को चोरी कर ले गया है।

मकान का ताला तोड़कर सोना-चांदी के जेवर चोरी

जींद। चमेला कालोनी नरवाना में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर सोना, चांदी के जेवरात व अन्य सामान को चोरी कर लिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चमेली कालोनी निवासी जयभगवान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह परिवार समेत गांव चला गया था।

आबकारी नीति में संशोधन किया

जींद। हरियाणा सरकार ने वर्ष 2025-2027 में आबकारी नीति में संशोधन किया है। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) पुनीत शर्मा ने बताया कि अब सरकार ने नीति में संशोधन करते शराब ठेकों के सफल आबंटियों से लिए जाने वाले सुरक्षा धन की राशि को पूर्व तय 15% से घटा कर 11 प्रतिशत कर दिया है और ई-निविदाएं वाले दिन लिए जाने वाले सुरक्षा धन को तीन प्रतिशत से घटा कर दो प्रतिशत कर दिया गया है।

साइबर वित्तीय धोखाधड़ी पर डायल करें 1930

जींद। डीसी मोहम्मद ईमरान रजा ने सोशल मीडिया के दौर में बढ़ते साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के केसों को ध्यान में रखत जिलावासियों से अपील करती की है कि वे ऐसे मामलों की तत्काल सूचना देने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही हैल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क सकते हैं। डीसी ने बताया कि लोगों में ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते क्रेज से लोग लॉटरी या फिर इनामी विज्ञापनों के झांसे में आ जाते हैं।

डेढ़ साल का डीए भत्ता जारी करने की मांग

जींद। सफीदों में पुलिस पैंशनर्ज की बैठक जिलाध्यक्ष प्रेमसिंह बांगड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन रामकरण हुड्डा ने किया। बैठक में शामिल सभी पैशनर्ज ने सरकार से कर्मचारियों और पैंशनरों की लंबित मांगों को लागू करने की मांग की गई। उन्होंने मांग की कि पुलिस विभाग में स्थायी भर्ती की जाए।

4 सोलर प्लेट क्षतिग्रस्त मुआवजे की मांग उठाई

नरवाना। 23 मई को आए बहुत तेज तूफान के कारण नरवाना के गांव अम्बरसर निवासी सुरेन्द्र पुत्र शंकर लाल के खेत में लगे सोलर पैनल की 4 प्लेटें टूटकर बिखर गई हैं। किसान सुरेन्द्र ने बताया कि उसने अपने खेत में 10 हॉर्स पावर का सोलर कनेक्शन लगवाया हुआ है। तूफान के कारण उसको भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

साथी ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

जींद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कैम्पेन साथी के अंतर्गत एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश कम चैयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के दिशा निर्देशन में मुख्य न्यायिक दाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन एडीआर के सभागार में किया गया।

नागरिक अस्पताल में थैलेसीमिया को लेकर वर्कशॉप

थैलेसीमिया एक वंशानुगत रक्त विकार, घबराएं नही : सीएमओ

थैलेसीमिया पेशेंट को हरसंभव सुविधा उपलब्ध करवाई जाए: डॉ. कोहली

पौष्टिक भोजन-व्यायाम को नियमित अपनी दिनचर्या में शामिल करे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। वर्कशॉप को संबोधित करते डा. शिप्रा। फोटो :हरिभूमि

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में थैलेसीमिया को लेकर सीएमओ डा. सुमन कोहली के दिशा-निर्देशन में वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया, एमएस डा. अरविंद, ब्लड बैंक इंचार्ज डा. सोनल, डा. शिप्रा गिरधर, डा. हिना के साथ अन्य स्वास्थ्य स्टाफ मौजूद रहा। सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि थैलेसीमिया खून से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसमें व्यक्ति के शरीर में हीमोग्लोबिन बनना बंद हो जाता है। यह बीमारी पेरेंट्स से बच्चों तक पहुंचती है। ऐसे में थैलेसीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि थैलेसीमिया पेशेंट को हरसंभव सुविधा अस्पताल प्रशासन द्वारा उपलब्ध करवाई जाए। डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया ने कहा कि थैलेसीमिया को लेकर जागरूक करते हुए कहा कि यह एक वंशानुगत रक्त विकार है जो असामान्य जीन के माध्यम से माता-पिता से बच्चों में आता है। थैलेसीमिया ग्रस्त व्यक्ति सामान्य कार्यशील लाल रक्त कणिकाओं को पैदा करने में असमर्थ होता है। जिसके कारण व्यक्ति को रक्त की कमी हो जाती है और मरीज को लगातार दो से तीन सप्ताह के अंतराल में खून की आवश्यकता रहती है। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि अभिवावक साहस और संतोष से काम लें तो थैलेसीमिया से ग्रस्त बच्चों को भी ताकत मिलेगी और वह इस बीमारी के अवसाद से बाहर निकल पाएंगे। जींद में 25 थैलेसीमिया बीमारी से ग्रसित मरीज हैं। जिन्हें जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल से समय-समय पर रक्त की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। अस्पताल में थैलेसीमिया प्रभावित मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाया जा रहा है। समय-समय पर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिल कर कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं ताकि आमजन को बीमारी के प्रति जागरूक किया जाएगा। डा. शिप्रा ने कहा कि थैलेसीमिया बीमारी से बचने के लिए मरीज का हिमोग्लोबिन 11-12 बनाए रखने का प्रयास करें। समय पर दवाइयां लें और इलाज पूरा करवाएं। पौष्टिक भोजन को व्यायाम को नियमित अपनी दिनचर्या में शामिल करें। नवजात और गर्भवती मां का नियमित टीकाकरण भी कारगर साबित होता है। इस मौके पर आशुतोष शर्मा ने उपचार और ब्लड ट्रांसफ्यूजन को सुविधाजनक बनाने के लिए सीएमओ को ज्ञापन सौंपा। जिस पर सीएमओ ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। वर्कशॉप में विशांत एवं नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

होनहार विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। प्रतिभावान छात्रा को सम्मानित करते वाइस चेयरमैन।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के वाईस चेयरमैन सतीश शाहपुर ने कहा कि शिक्षा बोर्ड द्वारा आगामी 26 व 27 जुलाई को एचटेट की परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए बोर्ड द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके अलावा शिक्षा विभाग व हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में हरियाणा के सभी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए योग शिक्षा को अनिवार्य करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे है। जिससे विद्यार्थियों को अच्छा स्वास्थ्य एवं मादक पदार्थो से दूर रहने की प्रेरणा मिल सके। सतीश शाहपुर ने ये बात बुढाखेड़ा गांव के राजकीय कन्या सीनियर सकेंडरी स्कूल में बोर्ड की परीक्षाओं में अव्वल रहने वाले विद्यार्थियों के पारितोषिक वितरण सम्मान समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि बोलते कही। शिक्षा बोर्ड के वाईस चेयरमैन ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आगामी 26 व 27 जुलाई को एचटेट की परीक्षाएं आयोजित करवाई जाएंगी। परीक्षा आयोजित करवाने को लेकर शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश जारी किए जा चुके हैं और जल्द ही तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

नरवाना। शिविर में भाग लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

अस्सी यूनिट रक्त एकत्रित किया

नरवाना। खरल गांव के स्व अनिल कुमार व शहीद पवन कुमार की याद हर वर्ष की भान्ति इस वर्ष भी गुरू तेग बहादुर गुरुद्वारा खरल में चौथा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विजय धीमान खरलए चेयरमैन जिला जींद पैक्स बैंक पहुंचे जिसकी अध्यक्षता गुरनाम सिंह ने की। विजय कुमार ने बताया कि रक्तदान करने से शरीर में नए खून का संचार होता है और खून दान करने से शरीर में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आती बल्कि शरीर सही रहता है और 29वी बार रक्तदान किया वही गुरनाम ने बताया कि रक्तदान कैंप हम हर साल लगाते हैं और लोग इसमें बढ़ चढ़कर भाग लेते हैंए उन्होंने आगे बताया कि जींद से डॉक्टरों की टीम लाइफलाइन ब्लड सेंटर द्वारा भेजी गई जिसके द्वारा 80 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

उप चुनावः मतदान के दिन रहेगा पेड होली-डे

जींद। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के उप चुनाव के मद्देनजर रविवार 15 जून को मतदान क्षेत्र में हरियाणा सरकार के मतदाता के रूप में पंजीकृत कर्मचारियों के लिए पेड होली-डे रहेगा। कर्मियों को मतदान के दिन लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत सवैतनिक अवकाश की अनुमति होगी। बताया कि इसके साथ ही प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत फैक्ट्रियों, प्राइवेट व्यवसायिक संस्थानों, दुकानों आदि में भी मतदान के दिन जहां मतदान होना है, उस क्षेत्र के मतदाता के रूप में पंजीकृत कर्मचारियों के लिए भी पेड होली डे रहेगा ताकि कर्मचारी मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र के महापर्व में भागीदार बन सकें। डीसी ने बताया कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला जींद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 75 पंच पद, छह सरपंच व दो पंचायत समिति पद के लिए उप चुनाव रविवार 15 जून को सुबह आठ बजे से लेकर सायं छह बजे तक होगा।

एसडीएम ने किया स्कूल का निरीक्षण

जींद। जुलाना उपमंडल अधिकारी होशियार सिंह ने शुक्रवार को पीएमश्री राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मालवी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी व कक्षाओं का जायजा लिया। मेगा पीटीएम में पहुंचे अभिभावकों से भी स्कूल का फीडबैक लिया और विद्यार्थियों से रूबरू हुए। मेधावी विद्यार्थियों से भी उन्होंने संवाद किया। प्राचार्या अंजु गोयल ने एसडीएम व खंड शिक्षा अधिकारी का स्कूल पहुंचने पर स्वागत किया और स्कूल की प्रगति रिपोर्ट भी सांझा की। एसडीएम होशियार सिंह ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार शिक्षा स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है। पीएमश्री स्कूलों की स्थापना की है, जो प्राइवेट स्कूलों को मात दे रहे हैं। चूंकि सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक योग्यता रखने वाले शिक्षक हैं।

जींद। बच्चों से बातचीत करते एसडीएम होशियार सिंह। फोटो :हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

येलो डे का आयोजन किया

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय की प्राथमिक विभाग की सैपलिंग शाखा में येलो डे का आयोजन किया गया। जिसे प्रीनर्सरी से यूकेजी कक्षा तक के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चे पीले रंग की पौषाक पहन कर आए। किसी ने पीली फ्रॉक पहनी थी तो किसी ने पीले रंग की टीशर्ट और कुछ बच्चे पीले रंग की टोपी पहन कर विद्यालय पहुंचे। विद्यालय की कक्षाओं को भी पीले रंग के गुब्बारों और सजावटी वस्तुओं से सजाया गया था। बच्चों ने पीले रंग के फलों जैसे केले, आम और पपीते को पहचानने और उनके बारे में जानने की गतिविधियों में भी भाग लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों को रंग भरने, फल पहचानने और चित्र बनाने जैसी रचनात्मक गतिविधियां कराई गईं ताकि नन्हे-मुन्ने बच्चे पीले रंग के बारे में जाने और उसके महत्व को समझें।

नशे के खिलाफ अभियान चलाने का आह्वान

जींद। सुप्रीम स्कूल ने युवाओं को यातायात नियमों, नशे के दुष्प्रभावों और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने हेतु कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में एसआई नरेश, एएसआई अमित, डा. अश्वनी और कॉन्स्टेबल ज्योति मौजूद रहे। एसआई नरेश ने कहा कि नशा मुक्ति में परिवार और दोस्तों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाज से एकजुट होकर नशे के खिलाफ अभियान चलाने का आह्वान किया तथा बच्चों को यातायात नियमों से अवगत कराया। अमित ने साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकारों के बारे में जानकारी दी और बताया कि सतर्क और जागरूक रहकर हम साइबर अपराध से बच सकते हैं। डा. अश्वनी ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते कहा कि स्वास्थ्य हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यह हमारे शारीरिक, मानसिक और सामाजिक तंत्र का संतुलन है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

जींद। एसआई नरेश को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

नरवाना। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

ज्वायनिंग पर दिया सह भोज

नरवाना। प्रिंसिपल संजय चौधरी ने बताया कि विद्यालय में कविता ने भूगोल प्रवक्ता के पद पर ज्वाइन करने की खुशी में आज पूरी छुट्टी उपरांत सह भोज का आयोजन किया। प्रिंसिपल संजय चौधरी ने कविता की तारीफ करते हुए कहा की बहुत ही परिश्रमी लगनशील प्रवक्ता है ओम प्रकाश जी भूगोल के प्रवक्ता रिटायर होने के बाद बच्चों को भूगोल विषय पढने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। कविता जी के आने के बाद सब विद्यार्थी उनके अध्यापन से बहुत प्रसन्न है। प्रवक्ता कविता ने बताया कि बडनपुर स्कूल से पहले 3 वर्ष अन्य स्कूलों में काम किया है लेकिन पढ़ाई का इतना सुंदर माहौल उन्होंने कहीं नहीं देखा। कविता के विषय ज्ञान की सभी स्टाफ सदस्य ने उसकी प्रशंसा की। एवं विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें एक सुंदर उपहार भेंट किया गया।

जींद। जागरूकता अभियान चलाए सेव संस्था पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

कूड़ा डस्टबीन में डालने का आह्वान

जींद। सामाजिक संस्था सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ विलेज एंड अर्बन इंवायरमेंट (सेव) ने शनिवार दोपहर बाद रोहतक रोड सात नंबर रजवाहे से रोहतक रोड बाईपास एरिया में स्वच्छता अभियान और जागरूकता अभियान चलाया। सेव संस्था द्वारा चलाए गए 427वां अभियान संस्था के वरिष्ठ साथी जोरा सिंह रेढू की अध्यक्षता में चलाया गया। संस्था सदस्यों ने स्वच्छता का महत्व समझाते हुए लोगों को कूड़ा डस्टबीन में डालने का आह्वान किया। सदस्यों ने कहा कि हम सभी ने कूड़ा डस्टबीन में ही डालने की आदत होनी चाहिए। हम यह मान लेते हैं कि यहां पहले से कूड़ा डाला हुआ है, तो हम भी यही डाल देते हैं। यदि हम वहीं कूड़ा डालते रहे तो स्वच्छता कैसे आएगी कूड़ा वहां बढ़ता रहेगा। इसीलिए हर आदमी ने कूड़ा केवल मात्र डस्टबीन में ही डालना चाहिए।

अमेरिका भेजने का झांसा देकर 45 लाख रुपये हड़पे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- पुलिस ने बाप-बेटे के खिलाफ दर्ज किया धोखाधड़ी का मामला

अमेरिका भेज नौकरी लगवाने को झांसा देकर 45 लाख रुपये हडपने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव आसन निवासी अजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जुलाई 2023 में उसकी मुलाकात आर्यन वीजा कंसलटेंट के संचालक आजाद सिंह तथा उसके बेटे आर्यन से हुई। उन्होंने कहा कि वे कनाडा का स्टडी तथा टूरिस्ट वीजा लगवा देंगें। वहां कमाई भी अच्छी होगी। दोनों के झांसे में आकर उसने लीगल तरीके से कनाडा भेजने के लिए कहा। जिसकी एवज में आरोपितों ने 15 लाख रुपये की डिमांड की। जिसमें सब कुछ तय होने के बाद आरोपितों को 15 लाख रुपये दे दिए गए। कुछ समय के बाद आरोपितों ने कहा कि वे उसे कनाडा नही भेज सकते। वे उसे नंबर एक में एयर से अमेरीका भेज देंगे और नौकरी भी लगवा देंगे। जिसके लिए उन्हें 23 लाख रुपये और देने होंगे। बकाया राशि भी आरोपितों को दे दी गई। जिसके बाद आरोपितों ने उसे कई देशों से गुजारते हुए अवैध रूप से अमेरिका भेज दिया। जहां पर उसका अपहरण कर लिया गया। जिसकी एवज में आरोपितों ने उस से सात लाख रुपये और ले लिए। यहां तक कि उसे अमेरीका में 11 माह तक जेल में रहना पडा। जिसके बाद अमेरीका सरकार ने उसे वापस भारत भेज दिया। जब उसने आरोपितों से राशि वापस मांगी तो उसे लौटाने से मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी।

नरवाना। शिविर में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नरवाना। शहीद रमेश कुमार राजकीय उच्च विद्यालय कर्मगढ़ में आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कैम्प का संचालन आयुर्वेदिक विभाग कर्मगढ़ की टीम ने किया। डा० गीता एएमओ द्वारा बच्चों को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के बारे में बताते हुए उनके स्वास्थ्य की जांच की गई। फार्मासिस्ट अनुज बेनीवाल ने बच्चों को आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया। योग सहायक सुखविन्द्र ने योग व प्राणायाम आदि की अति सुन्दर व्याख्या करते हुए इनका अभ्यास करवाया तथा इनसे मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी। कैम्प में विद्यालय के प्रधानाचार्य दरवेश व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। प्रधानाचार्य दरवेश ने बच्चों को आयुर्वेद से जुड़े रहने तथा अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने की सलाह दी।

जींद। कार्यक्रम में शपथ लेते हुए। फोटो :हरिभूमि

पीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी

जींद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के तहत जुलानी व जलालपुर कलां गांव में सभा का आयोजन किया। इसमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर शपथ दिलाई गई। गर्भवती महिलाओं को व ग्रामीण महिलाओं को पीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी गई व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर महिलाओं को शपथ भी दिलाई गई। एमपीएचडब्ल्यू बिमला देवी व पूनम रानी ने जागरूक करते हुए कहा कि कन्या भ्रूण हत्या के कारण गिरता लिंग अनुपात हमारे देश के सामने एक बहुत बड़ी सामाजिक समस्या है। इस समस्या के निदान के लिए सरकार को ही नही बल्कि हम सभी को सामाजिक दृष्टि से जागरूक होना होगा। इसके लिए हमें रूढ़िवादी सोच का परित्याग करना चाहिए। ईश्वर के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए संतान उसी की देन है और लड़का व लड़की एक समान है। हम किसी के भी भाग्य विधाता नही हैं।

बच्चों ने पुल के साथ-साथ डांस का भी खूब आनंद उठाया

इंडस पब्लिक स्कूल में सप्लैश फन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल जूनियर विंग में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए सप्लैश फन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को गर्मी से राहत, मस्ती और आनंद देने के साथ-साथ आत्मविश्वास पैदा करना था। बच्चों ने पुल के साथ-साथ डांस का भी खूब आनंद उठाया। इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी हैं। साथ ही साथ उन्हें सुकून भी देती हैं। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला दी और उन्हें एक यादगार अनुभव प्रदान किया।

जींद। वाटर फन करते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

इंडस स्कूल में राज्य कराटे प्रतियोगिता आज

जींद। 35वीं हरियाणा राज्य कराटे प्रतियोगिता 25 में को इंडस पब्लिक स्कूल जींद में आयोजित की जाएगी। राज्य कराटे संघ के सचिव नरेंद्र मोर ने बताया कि प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न जिलों से लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ कुलदीप रंधावा जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि करेंगे व समारोह की अध्यक्षता राहुल ब्लॉक समिति चेयरमैन नगूंरा करेंगे। इस प्रतियोगिता में सभी आयु वर्गों के लड़कों व लड़कियों के मुकाबले होंगे। जिला कराटे संघ के महासचिव कृष्ण सिंगरोह ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी खिलाड़ियों के रहने व खाने की व्यवस्था इंडस पब्लिक स्कूल जींद में ही की गई है।

खबर संक्षेप

जाखौली में हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में आज एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने हरियाणवी लोकनृत्य की प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में छात्राओं ने पारंपरिक हरियाणवी नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जो हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करती हैं। विद्यार्थियों की जोशपूर्ण और रंगीन प्रस्तुतियों ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ उठाएं

कैथल । डीसी प्रीति ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना ने विशेष रूप से समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों को बड़ी राहत दी है। यह योजना विशेष रूप से अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए बनाई गई है। इस योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान करके सरकार ने विवाह के समय परिवारों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को कम करने का प्रयास किया है।

मानस गांव में पशुशाला में पशुपालक से की मारपीट

कैथल । मानस गांव में पशुशाला में घुसकर पशुपालक से मारपीट करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पशुपालक पर रॉड, डंडों व लाठियों से हमला कर घायल कर दिया। घायल व्यक्ति के बेटे ने सदर थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उसके घर के पास ही उसकी भैंसों का बाड़ा है, जिसके पीछे जयभगवान का घर है। 22 मई की रात साढ़े आठ बजे जयभगवान, श्याम लाल, मिंकू, बुगला, बबलू व शुभम दीवार तोड़कर उसके पशुशाला में घुस आए और उसके पिता पर लाठी, डंडों व रॉड से हमला कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर बना राष्ट्रभक्ति का प्रतीक, वीरों के सम्मान में हुआ जयघोष

पूर्व विधायक लीलाराम ने तिरंगा यात्रा में शिरकत कर दी पहलगाम के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

तिरंगा यात्रा ने दिखाया कि हरियाणा के लाखों युवा भारत माता की सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

क्योड़क मंडल में आयोजित ऐतिहासिक एवं विशाल तिरंगा यात्रा में पूर्व विधायक लीलाराम ने विशेष रूप से शिरकत की और पहलगाम के बलिदानी सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

हजारों लोगों की उपस्थिति में क्योड़क की गलियों और चौराहों पर वीरों के सम्मान में गगनभेदी जयघोष गूंजते रहे। यह आयोजन न केवल देशभक्ति की मिसाल बना, बल्कि यह दिखाने में भी सफल रहा कि हरियाणा के लाखों युवा और बुजुर्ग भारत माता की सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं। पूर्व विधायक लीलाराम ने अपने भाषण में कहा कि /"ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देश ने मानवीयता, तकनीकी दक्षता, और राष्ट्र के प्रति राजनीतिक समर्पण का अद्भुत संगम देखा है। यह महज एक सैन्य ऑपरेशन नहीं था, बल्कि यह भारत के वीर सपूतों के शौर्य और बलिदान की एक अमिट गाथा बन गया है। इस अभियान ने न केवल दुश्मनों को करारा जवाब दिया, बल्कि देशवासियों के दिलों में राष्ट्रीय गर्व और एकता की भावना को और प्रबल किया है।/" पूर्व विधायक ने आगे कहा कि ह्लयह आयोजन उन लाखों सैनिकों के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए। इस तिरंगा सम्मान यात्रा के माध्यम से प्रदेश के कोने-कोने में जो जोश और जज्बा देखने को मिला है, वह अभूतपूर्व है। आज हरियाणा का हर गांव, हर शहर देशभक्ति की भावना से सराबोर है। यह यात्रा भावनाओं, बलिदानों और प्रेरणाओं की एक चलती-फिरती तस्वीर है।

कैथल। तिरंगा यात्रा में भाग लेते पूर्व विधायक लीला राम, मुनीष कठवाड़ व अन्य

हजारों लोग तिरंगा लेकर शामिल हुए

उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत के स्वाभिमान, संप्रभुता और शौर्य का प्रतीक है। आज गांव क्योड़क के हर मार्ग पर वीरों की जय जयकार है। इन नारों में ना केवल गर्व छिपा है, बल्कि भविष्य की प्रेरणा भी है। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग तिरंगा लेकर उपस्थित हुए। युवाओं की टोलियों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। बुजुर्गों की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रभक्ति की लौ हर पीढ़ी में जल रही है। मंडल अध्यक्ष धीरेंद्र क्योड़क की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए इस आयोजन में स्थानीय नेतृत्व और जनसाधारण का अद्वितीय समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर हर ओर तिरंगे लहराते रहे और जनमानस में देशप्रेम का उत्साह देखते ही बन रहा था।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ओलंपियाड में आरपीएस छात्रों ने प्रथम इंटरनेशनल रैंक प्राप्त की

महेंद्रगढ़। सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में आरपीएस के चार विद्यार्थी जयश्री, हिमांशी, भव्या तथा पीहू ने 100 प्रतिशत स्कोर कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया हैं। विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाई है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में विद्यालय के चार विद्यार्थी द्वारा शत-प्रतिशत अंक लेकर प्रथम रैंक प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है। आरपीएस के विद्यार्थी आज प्रदेश व देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। संस्कार व गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही आरपीएस की पहचान है। सिल्वर जोन इंटरनेशनल के अंग्रेजी विषय में नवीश यादव, अनिमेष, अंकित कुमार, प्रियांशी यादव, वेदांशी, आरव कौशिक, रक्षा, दिव्या, खुशी यादव, प्रिया, साक्षी तथा मैथ ओलंपियाड में इशू, आरव, अंकित कुमार, आरव, यश, यश कुमार आरव कौशिक, मुकुल यादव, नैतिक, जय श्री, रक्षित, ज्योति, मानवी, हिमांशी, जियान, भव्या तथा साइंस ओलंपियाड में नवीश यादव, सक्षम आर्य, देवांश, आरव कौशिक, मुकुल यादव, आयुष सांगवान, जयश्री, अश्विन, हिमांशी, जिया, भव्या, पीहू, यशवर्धन राजपूत, दर्श, हर्ष, सैंटी, वंशिका सिंह सहित 45 बच्चों ने सफलता प्राप्त की है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस के उप प्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी, विंग हैड देवेंद्र पूनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक, अनीता अहलावत सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने बधाई दी।

पूर्व विद्यार्थी विश्वविद्यालय के एंबेसडर: शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय कैथल में एलुमनी मीट 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में आए हुए अतिथियों का स्वागत दिन एकेडमिक्स प्रोफेसर आरके गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण से किया। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉक्टर कमल गर्ग ने किया। एलुमनी मीट में मुख्य अतिथि के रूप में जिला बार एसोसिएशन कैथल के अध्यक्ष एडवोकेट संदीप शर्मा ने शिरकत की। इस अवसर पर एडवोकेट संदीप शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कहा कि पूर्व विद्यार्थी विश्वविद्यालय के एंबेसडर होते हैं। उन्होंने कहा कि एलुमनी नेटवर्किंग से संस्थान, वर्तमान विद्यार्थी तथा पूर्व विद्यार्थी सभी को फायदा होता है।

मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में विश्वविद्यालय का विशेष महत्त्व होता है। जरूरत है कि एलुमनी तथा विश्वविद्यालय का एलुमनी एसोसिएशन मिलकर विश्वविद्यालय की आत्मा के विकास तथा उसके चहुंमुखी विकास में योगदान दें। कुलपति प्रो. डॉ शमीम अहमद ने अध्यक्षीय भाषण दिया। कुलपति ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि समेत विश्वविद्यालय के सभी एलुमनी का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि एलुमनी का विश्वविद्यालय के विकास में विशेष योगदान है। उन्होंने इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय परिवार मिलन समारोह बताया। इस कार्यक्रम ने उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों में पुराने दिनों की याद दिला दी।

इसके साथ ही कार्यक्रम में आभार ज्ञापित डीन स्कूल ऑफ लॉ प्रो. सुरेंद्र कल्याण ने किया। इस एलुमनी मीट में लगभग 200 पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान बीते हुए लम्हों की कसक साथ तो होगी... विश्वविद्यालयी दिनों की प्यारी यादों को मन में समेटे, हंसी-मजाक करते हुए, विश्वविद्यालय की स्मृतियों को मन में संजोते हुए, विश्वविद्यालय एलुमनी मीट मधुर यादें छोड़ गया।

कैथल। एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय कैथल में एलुमनी मीट में आए अतिथियों का स्वागत करते पदाधिकारी फोटो : हरिभूमि

ये रह मौजूद

इस अवसर पर सचिन सिंघाल, खजान सिंह ,दिनेश भाटिया, एडवोकेट प्रवीण शर्मा, विश्वविद्यालय एलुमनी मीट के संयोजक डॉ विकास दीप कोहली, समन्वयक डॉक्टर सोनू करोडीवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉक्टर मंजीत जाखड़, विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ मनोज कुमार, डॉ उषा श्रमित कौर, डॉ अमृता सोनी , डॉ रविंद्र पांडे , डॉ महेंद्र मुंडे डॉक्टर रवि गहलावत , डॉ बलविंदर सिंह,भी मौजूद रहे।

संवर्धन कार्यशाला हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार व गुणवत्ता के लिए अनूठी पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा राज्य के सरकारी विद्यालयों में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं गुणवत्ता सुधार हेतु 23 मई 2025 को हिंदी भाषा संवर्धन कार्यशाला का आयोजन उत्कर्ष सोसायटी पंचकुला के सभागार में किया गया। आरोही स्कूल ग्योंग जिला कैथल में कार्यरत हिंदी प्राध्यापक डॉ विजय चावला ने जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा हरियाणा राज्य के सरकारी विद्यालयों में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं गुणवत्ता सुधार हेतु एक अनूठी पहल शुरू की गई है।इस पहल के अंतर्गत विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा विद्यालयी शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के दिशा निदेर्शानुसार हिंदी भाषा के संवर्धन हेतु विभिन्न योजनाएँ तैयार की जा रही हैं।शिक्षा निदेशालय पंचकुला से कार्यक्रम अधिकारी डॉ रमा खन्ना द्वारा पूरे हरियाणा से 12 हिंदी विषय विशेषज्ञों की टीम का गठन किया गया है।डॉ रमा खन्ना द्वारा कार्यशाला में बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा विद्यालयी शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के अनुसार हमें हिंदी भाषा को केवल एक विषय नहीं बल्कि विद्यार्थियों के जीवन का अभिन्न आधार बनाना है।इस प्रस्ताव का उद्देश्य हरियाणा राज्य के विद्यालय में हिंदी भाषा के प्रचार एवं संवर्धन के लिए विस्तृत योजनाओं को लागू करना है। इस कार्यशाला में डॉ अश्वनी शांडिल्य,वीरेंद्र गौड़,डॉ विनोद शर्मा,डॉ अरविंद कुमार,नूतन वर्मा,डॉ विजय कुमार चावला,बबिता,डॉ शालू शर्मा,सुरेश कुमार,सुनील कुमार तथा दलवंती सहरावत आदि हिंदी विषय विशेषज्ञ मौजूद रहे। राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षक अवार्डी डॉ चावला ने बताया कि हिंदी भाषा हमारी सांस्कृतिक और बौद्धिक पहचान का अभिन्न हिस्सा भी है।

कैथल। डा. विजय चावला राज्य स्तरीय हिंदी भाषा संवर्धन कार्यशाला में भाग लेते हुए

सिसला धाम पर छबील में सेवा करते सेवादार फोटो : हरिभूमि

सिसला धाम में श्याम भक्तों ने छबील लगाकर श्रद्धालुओं को बांटा मीठा जल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एकादशी के पावन अवसर पर सिसला धाम में श्याम बाबा के आशीर्वाद से श्रद्धा और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। श्याम भक्तों ने धाम पर मीठे पानी की छबील लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की। इस सेवा कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए कृष्ण प्रजापति ने कहा कि हमें छबील लगाने और श्रद्धालुओं की सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि इस पुनीत कार्य में बलवान शर्मा, जंगीर सिसला, सुभाष सरपंच, सीरिया फौजी, बबलू उर्फ बलबीर सिंह औगंद, साहिल कैथल, सुशील कैथल, नवीन ढाचर, ऋषिपाल साकरा, फूल कुमार सौंगल, उनकी धर्मपत्नी रूमा, बेटे ऋत्विक, शीला देवी और दक्ष, मनोज, सोनू, बलराज, राकेश, राजकुमार, हरदीप, प्रदीप, जयप्रकाश, सुभाष पांचाल ने सहयोग किया।

नशा शरीर के साथ-साथ समाज के लिए भी घातक : डॉ. अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय 100वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम द आर्यन इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक प्रद्युम्न सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने इसमें बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की।

बता दें कि हरियाणा में दो बार साइक्लोथॉन का नेतृत्व कर चुके डॉ. अशोक कुमार वर्मा सदैव साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए प्रतिदिन हरियाणा के अलग अलग शहरों में जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में विद्यालय के 500 विद्यार्थियों, 30 शिक्षकों और 35 अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने नशे के विरुद्ध व्याख्यान देते हुए कहा कि नशा मनुष्य के सेवन के लिए नहीं है। नशे के कारण घर और परिवार, समाज बहुत अधिक प्रभावित हो रहा है। यह शरीर के साथ साथ समाज के लिए भी घातक है। नशा अपराध को जन्म देता है, हमें खुद भी इससे बचना चाहिए और समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांस एक्ट बनाया गया है। इस अधिनियम के अनुसार नशे पर अंकुश लगाया जा रहा है लेकिन पकड़ने से यह कार्य सम्पूर्ण नहीं हो सकता।

कैथल। डा. अशोक कुमार विद्यार्थियों को नशा जागरूकता का पाठ पढाते हुए

कैथल। एमसी की मीटिंग करते हुए खंड के शिक्षा अधिकारी सुदर्शन शर्मा

सीवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एमसी का हुआ गठन

सीवन। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल सीवन में सांझी सभा एमसी का गठन किया गया जिसमें विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। लगभग 50 अभिभावक उपस्थित हुए। समाजसेवी वकील को प्रधान चुना गया जो पूर्व में इसी विद्यालय के छात्र रहे हैं। पूजा देवी को उप प्रधान चुना गए। यह समिति दो वर्ष के लिए चुनी गई। समिति में कुल 20 मेंबर चुने गए जिसमें एक नगर पालिका की महिला सदस्य को भी स्थान मिला। सोलह सदस्य ऐसे चुने गए छात्रों के अभिभावक हैं। समिति गठन के बाद सीवन खंड के शिक्षा अधिकारी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य स्टेट अवार्डी सुदर्शन शर्मा की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया।

गर्मी व लू से बचाव के लिए एहतियात बरतें

कैथल। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने के बाद उसके इलाज से बेहतर है कि हम लू लगने से बचे रहें। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है। इसके साथ ही सभी विभाग भी गर्मी व हीट वेव के बचाव के लिए पूरी तैयारियां रखें और आमजन के साथ साथ पशुओं को भी हीट वेव से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। डीसी प्रीति ने आमजन से आह्वान किया कि वे सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और लू से बचे रहें। लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें।

डीसी-11 और पीएनबी-11 के बीच हुआ मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच का आयोजन

पीएनबी-11 मात्र 16.1 ओवर में हुई ऑल आउट, बना पाई सिर्फ 117 रन

इंडस स्कूल के ग्राउंड पर डीसी-11 ने पीएनबी-11 को 6 विकट से पराजित कर जीत की हासिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शनिवार को सुबह इंडस पब्लिक स्कूल के क्रिकेट ग्राउंड में डीसी-11 और पीएनबी-11 के बीच मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें डीसी-11 ने 6 विकट और 55 रनों से जीत हासिल की। पीएनबी-11 ने टॉस जीतकर बोलिंग करने का फैसला किया। पहले बैटिंग करते हुए डीसी-11 ने चार विकेट खोकर 172 रन बनाए। डीसी कार्यालय से अनिल ने 53 बॉल खेलकर 76 रन बनाए। डीसी-11 ने पीएनबी-11 को 173 रन बनाने का लक्ष्य रखा। पीएनबी-11 मात्र 16.1 ओवर में ऑल आउट हो गई तथा 117 रन ही बना पाई। डीसी-11 ने 6 विकेट और 55 रनों से जीत हासिल कर ली। इसके अलावा डीसी-11 के खिलाड़ी डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी ने भी 7 बॉल पर 14 रन बनाए और टीम को विजय दिलवाई। यह मैत्रीपूर्ण मैच डीसी प्रीति व एडीसी दीपक बाबूलाल करवा के नेतृत्व में आयोजित करवाए जा रहे हैं। डीसी प्रीति ने बताया कि खेल का जीवन में विशेष महत्व है। खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य बना रहता है और खेलों को खेल भावना से खेलते हुए व्यक्ति अपने व्यक्तित्व में निखार ला सकता है।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में खेलों को भी हिस्सा बनाना चाहिए और व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय खेलों के लिए जरूर निकाले। उन्होंने मैत्रीपूर्ण मैच के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि सरकारी कर्मचारी की दिनचर्या काफी व्यस्त रही है, ऐसे में कुछ समय यदि कर्मचारी खेलों के लिए निकाले तो उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहत्तर बनता है।

कैथल। इंडस पब्लिक स्कूल के क्रिकेट ग्राउंड में उपस्थित खिलाड़ी

इनका रहा अहम योगदान

इस मौके पर जिला नाजर धर्मवीर सैनी का इस क्रिकेट मैच की व्यवस्थाओं में विशेष योगदान रहा। डीसी-11 में प्लेयर के रूप में राजेश, नसीब सिंह सैनी, रमेश कुमार, प्रदीप, कृष्ण, संदीप, अनिल, मनजीत, सतीश, परवीन, अमित प्लेयर के रूप में रहे। वहीं पीएनबी-11 में राजीव कुमार, ऋषि, राजेश, जितेंद्र, पंकज, पवन, दीपक, कपिल, आनंद, अजानी, जगबीर प्लेयर के रूप में रहे। इस मौके पर एलडीएम एसके नंदा भी मौजूद रहे।

भारत को कराटे एशियाई चैंपियनशिप में अलिशा चौधरी ने पहला ब्रॉन्ज दिलाकर रचा इतिहास

पूंडरी। खण्ड के गांव मोहना कि बेटी अलीशा चौधरी ने उज़्बेकिस्तान में 21 से 25 मई तक आयोजित एशियन कराटे चैंपियनशिप में भारत की महिला कराटे टीम में खेलते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अलीशा ने कराटे प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता में भारत की ओर से 6 महिला और 6 पुरुष खिलाडियों की टीम ने भाग लिया।लीजेंड कराटे क्लब पूंडरी की कोच विकास ढलवाल ने जानकारी दी कि क्लब की खिलाड़ी अलिशा ने 55 किलो भार वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कोरिया, थाईलैंड और कजाकिस्तान की खिलाडियों को हराकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। यह उपलब्धि इसलिए खास है, क्योंकि यह कराटे की एशियाई चैंपियनशिप में भारत की ओर से किसी महिला खिलाड़ी द्वारा जीता गया पहला ब्रॉन्ज मेडल है।यह खिलाड़ी पिछले 10 वर्षों से लीजेंड कराटे क्लब पूंडरी में कठिन प्रशिक्षण ले रही है। इससे पहले वह चार बार यूनिवर्सिटी गेम्स में, पांच बार नेशनल चैंपियनशिप में और दो बार कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीत चुकी है। पूंडरी लौटने पर खिलाड़ी का भव्य स्वागत किया जाएगा।

Office : Govt. Primary School, Nand Karan Majra C-13831

नीलामी के लिए प्रस्ताव

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला नंदकरण माजरा के प्रांगण में। विभाग द्वारा नकारा घोषित 2 कमरों की नीलामी दिनांक 28.05.2025 को सुबह 10 बजे करवाई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति / संस्थान निर्धारित तिथि तक अपनी बोली प्रस्तुत कर सकते हैं। बोली के लिए Minimum Auction Amount विभाग द्वारा 24700/- रु. निर्धारित किया गया है। इच्छुक व्यक्ति को अग्रिम राशि 25% लगानी अनिवार्य है। **जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- नाम - जोगिन्दर पाल सिंह, फोन : 9992409950, 7015714600**

Sd/- Head Teacher,
Govt. Primary School, Nand Karan Majra C-13831 (Ktl)

कर्मबीर सैनी को भाजपा ने दिया पुरस्कार, सूचना आयुक्त बनाया

कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने के बाद समर्पित भाव से पार्टी के लिए कार्य करते रहे हैं कर्मबीर सैनी, सफीदों विस में प्रभावशाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कान्फेड के चेयरमैन एवं भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कर्मवीर सैनी को बड़ी जिम्मेदारी देकर सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। पेशे किसान एवं अधिवक्ता कर्मबीर सैनी की गिनती जमीन से जुड़े जुझारू नेता के रूप में रही है। लंबे अरसे से भाजपा में समर्पित होकर काम कर रहे हैं। इससे पहले कर्मवीर सैनी हरियाणा सरकार में टैक्स ट्रिब्यूनल के सदस्य भी रह चुके हैं। सफीदों विधानसभा सीट से दो बार राष्ट्रीय पार्टियों की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुके हैं। दोंनो ही चुनावों में उन्होंने सम्मानजक वोट प्राप्त किए। पिछले लोस व विस चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में काम किया था। सफीदों, जींद व जुलाना विधानसभा क्षेत्रों में कर्मवीर सैनी का व्यापक जनाधार माना जाता है। उनके पास कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों की एक बड़ी फौज है। शुक्रवार को सरकार द्वारा नियुक्त पांच सूचना आयुक्तों में कर्मवीर सैनी का नाम भी शामिल है। जिसकी सूचना मिलते ही समर्थकों और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल छा गया। शनिवार को जींद, सफीदों समेत कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। सफीदों में आयोजित कार्यक्रम में सेलर एसोसिएशन के प्रधान सुभाष जैन, जगदीश कश्यप, एमसी हिमलेश जैन, एडवोकेट रणबीर कश्यप, सुलतान सैनी सरपंच खातला, सुरेश सरपंच रत्ताखेड़ा, मांगेराम चौधरी, राजेश जैन, आशीष जैन, ओमप्रकाश सिंगला, सतेंद्र राणा, रामनिवास वाल्मीकि, रोशन, सूरजभान, सुनील इत्यादि उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने जगह-जगह मिठाइयां बांटकर एक दूसरे को दी बधाई

जींद में कार्यक्रम: जींद में मैन्युफैक्चरिंग वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सतीश ढिल्लो की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर मुकेश सिंगला, राजकुमार, बीआर जिंदल, विनोद कुमार, जसवंत सैनी, विमन जैन, विजेंद्र सैनी, राजेश सैनी आदि मौजूद रहे। अपनी नियुक्ति पर कर्मवीर सैनी ने सीएम नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, पीएम नरेंद्र मोदी व प्रदेशाध्यक्ष मोहन बड़ौली का आभार जताया।

2024 में कान्फेड के चेयरमैन बने थे कर्मवीर सैनी

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के रूप में कर्मवीर सैनी हर मंच पर पार्टी का मजबूती से पक्ष रखते हैं। 2024 में कर्मवीर सैनी को कान्फेड का चेयरमैन बनाया था। उन्होंने उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ते दामों पर खाद्य वस्तुएं उपलब्ध के लिए सहकारी सिद्धांतों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता से पूरी जिम्मेदारी के साथ काम किया। प्रदेश सूचना आयुक्त के रूप में कर्मवीर सैनी का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए रहेगा। सूचना आयुक्त को कार्यालय, स्टाफ, जरूरी संसाधन, सम्मानजक वेतन, भत्ते, पेंशन सुविधा, सरकारी वाहन या यात्रा भत्ता, सरकारी आवास या आवास भत्ता, संचार, फर्नीचर, कंप्यूटर, इंटरनेट एवं आवश्यकता अनुसार सुरक्षा प्रदान की जाती है। उनकी संवैधानिक शक्तियों में सूचना प्रदान करने का आदेश देना, सूचना को गोपनीय घोषित करने के दावों की समीक्षा करना, आवेदनकर्ता की सुनवाई करना, सूचना देने के निर्देश देना, मूल्यांकन और अनुशासनात्मक शामिल है।

खबर संक्षेप

आज 7 से 9 बजे तक बंद रहेगी सेक्टरों की सप्लाई

जींद। सेक्टर 8 के 33केवी सब स्टेशन पर रविवार को बिजली सप्लाई सुबह सात से नौ बजे तक बंद रखकर जनरल मुरम्मत का काम किया जाएगा। एसएसए धर्मवीर सिंह ने बताया कि पॉवर हाउस से जुड़े सेक्टर 6, 7, 8, 9, 11 फीडर बंद रहने से हाउसिंग बोर्ड, गोहाना रोड, शिव कालोनी, अर्बन एस्टेट, स्कीम नंबर 5, 6, हाउसिंग बोर्ड, एकता नगर, विजय नगर, हनुमान नगर में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। सीआरएसयू सब स्टेशन पर भी बिजली सप्लाई अढ़ाई घंटे बंद रहेगी। रविवार को 33केवी सब स्टेशन की सालाना मुरम्मत का काम किया जाएगा। इससे सीआरएसयू हॉट लाइन, बाईपास एपी, रघु नगर, अर्बन, इम्पलॉयज कालोनी, अर्बन, शादीपुरा आरडीएस, स्वीचिंग स्टेशन के 11 केवी फीडर बंद रहेंगे।

कंडेला कांड : 13 वर्षीय बच्चे का स्टेच्यू लगेगा

जींद। चर्चित कंडेला कांड में जान गंवाने वाले 13 साल के बच्चे राजेश का स्टैच्यू बनाया जाएगा।

राजेश शर्मा फाई फोटो

राजेश शर्मा की घुड़सवार पुलिसकर्मियों की लाठियों की वजह से जान गई थी। 25 मई को उसकी 23वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन की तरफ से जींद के कंडेला गांव में प्रसिद्ध सांड के मंदिर के पास ही राजेश शर्मा की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। किसानों ने 2002 में चौटाला सरकार के खिलाफ बिजली बिलों को लेकर प्रदर्शन किया था। जिसमें नौ किसानों की मौत हुई थी। इनमें राजेश शर्मा सबसे कम उम्र के जाने गंवाने वाले किसान थे। 2004 में भूपेंद्र हुड्डा के सीएम बनने के बाद राजेश शर्मा की मां को परिवहन विभाग में नौकरी मिली थी।

समिति बस ने बाइक को मारी टक्कर, मौत

जींद। गांव दनौदा कलां से कलौदा रोड पर तेज रफ्तार परिवहन समिति बस की टक्कर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। नरवाना सदर पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। कलौदा कलां के संजीव सरिया का जाल बांधने का कार्य करता था। बीती शाम वह बाइक पर दनौदा कलां से अपने घर लौट रहा था। गांव के पास मोड पर पहुंचते ही सामने से आ रही परिवहन समिति बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

शौचालय निर्माण का शुभारंभ हुआ, काम शुरू होने का अभी भी इंतजार

नपा ने साइट से उठवाई निर्माण सामग्री, एनओसी का इंतजार

विधायक ने किया था निर्माण कार्य का शुभारंभ, जल्द निर्माण के दिए थे निर्देश, निर्माण सामग्री उठाने से लोगों में रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। साइट से निर्माण सामग्री को उठाकर वापस ट्रॉली में डालते मजदूर।

जींद। बैठक में भाग लेते हुए स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो। हरिभूमि।*

पूंडरी शहर के मुख्य बाजार में लगभग 12 लाख रुपये की लागत से बनाए जाने वाले शुलभ शौचालय का हाल ही में विधिवत शुभारंभ किया गया था। लेकिन निर्माण कार्य की शुरुआत अब तक नहीं हो पाई है। ताजा स्थिति यह है कि नगरपालिका द्वारा निर्माण स्थल से ईंटें व अन्य सामग्री को वापस उठा लिया गया है।

जिससे लोगों में भ्रम और चिंता की स्थिति बन गई है। शौचालय इंडोर स्टेडियम के पास बनाया जाना प्रस्तावित था, ताकि बाजार क्षेत्र में आने वाले राहगीरों, महिलाओं और दुकानदारों को सार्वजनिक सुविधा मिल सके। शुभारंभ के समय लोगों को उम्मीद थी कि जल्द कार्य शुरू होगा, लेकिन एक भी दिन निर्माण नहीं हुआ और अब सारा सामान भी हटा लिया गया है। गौरतलब है कि हल्का विधायक सतपाल जांबा ने इस परियोजना के शुभारंभ के अवसर पर अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि शौचालय का निर्माण कार्य बिना देरी के शुरू किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट कहा था कि अगर कोई व्यक्ति निर्माण कार्य में बाधा डालता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। विधायक ने शहर को स्वच्छ व सुविधाजनक बनाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी। लोगों का कहना है कि इस इलाके में सार्वजनिक शौचालय की सख्त जरूरत है, और अगर इस तरह की योजनाएं शुरू होने के बावजूद अधूरी रह जाती हैं। डालता है। लोग नपा से यह जानना चाहते हैं कि काम को क्यों रोका गया है। कोई तकनीकी कारण है, और यह कार्य कब तक शुरू होगा।

अभी नहीं मिली एनओसी

नपा सचिव ने बताया की एनओसी मिलने में देरी के कारण का कार्य शरू नहीं हो सका, जैसे ही एनओसी मिलेगी यह कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों की रिर्पोट एक ही पोर्टल करें अपलोड

जींद। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों की रिर्पोट अलग-अलग पोर्टल पर अपलोड करवाने की बजाय एक ही पोर्टल पर अपलोड करवाने तथा उसके लिए इंटरनेट तथा लैपटॉप आदि की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। इसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलेवा में स्वास्थ्य कर्मचारियों की खंड स्तरीय बैठक जिला सचिव गुरनाम सिंह तथा वित्त सचिव अमरजीत की अध्यक्षता में हुई। उन्होंने बताया कि जिस तरह सरकार व प्रशासन द्वारा धरातल स्तर पर कार्य करने वाले बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों को संसाधन उपलब्ध करवाये बगैर आए दिन नए-नए पोर्टल लॉच करके एक ही रिर्पोट अलग-अलग पोर्टल पर अपलोड करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, उससे जहां स्वास्थ्य कार्यक्रमो की सफलता बाधित हो रही है वहीं पर कर्मचारियों को अपने मोबाइल फोन से कार्य करने पर मजबूर किया जाता है।

मोबाइल पर कार्य करने से जहा कर्मचारियों की आंखों पर दुष्प्रभाव पड रहा है। यदि जल्द ही सरकार व स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों से मिल कर कर्मचारियों को इंटरनेटयुक्त सिम, लैपटॉप आदि उपकरण उपलब्ध करवाने सहित आरसीएच के तहत कार्यरत महिला एमपीएचडब्लू को नियमित कर्मचारियों की भांति 4200 ग्रेड पे के अनुसार वेतन व भत्ते देने, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती करने, पदोन्नति सूची जारी करने, पदोन्नत पदों के वेतनमान संशोधित करने, वर्ष 2020-2023 ब्लॉक की बकाया एलटीसी का भुगतान करवाने, कई-कई वर्षों से पेंडिंग एलसीपी के मामलों का समय पर समाधान करने की मांग की जाएगी।

जींद डिपो को मिले 16 इंस्पेक्टर

जींद। रोडवेज मुख्यालय के प्रदेश के विभिन्न डिपो से 154 सब इंस्पेक्टर कर्मचारियों को इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नति दी है। इसमें रोडवेज जींद डिपो को 16 कर्मचारी मिले हैं। सिरसा में कार्यरत रणबीर सिंह अंबाला के सब इंस्पेक्टर शमशेर सिंह, चंडीगढ़ में कार्यरत सब इंस्पेक्टर रघबीर, हिसार में कार्यरत सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार और हनुमान, गुरुग्राम में कार्यरत भरत, सिरसा के इंस्पेक्टर रोहताश, अंबाला में कार्यरत राजकुमार, हिसार में कार्यरत गंगा राम और सज्जन सिंह, फरीदाबाद में कार्यरत सुरेंद्र सिंहए कैथल में कार्यरत ओमप्रकाश, गुरुग्राम में कार्यरत जसमेर सिंह का पदोन्नति के बाद जींद तबादला किया गया है। जबकि जींद डिपो के सब इंस्पेक्टर बलकार सिंह, विजेंद्र सिंह और रणधीर सिंह की ड्यूटी जींद ही रहेगी। हरियाणा रोडवेज संयुक्त कर्मचारी संघ के राज्य उपप्रधान संदीप रंगा ने पदोन्नत होने वाले कर्मचारियों को कहा कि वे कर्मचारी के अच्छे स्वास्थ्य और उज्वल भविष्य की कामना करते हैं। रंगा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कर्मचारी जहां भी काम करेंगे वे रोडवेज विभाग हित और लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

खबर संक्षेप

किठाना पब्लिक स्कूल में विज्ञान क्विज प्रतियोगिता

राजौद। किठाना पब्लिक स्कूल में विज्ञान से संबंधित ज्ञानवर्धक साइंस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छठी से 12 वीं कक्षा तक के बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान प्रधानाचार्या डा. सुमन ढांडा ने सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया व विजेताओं को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के दौरान एम.डी. विकास ढांडा ने भी अपनी उपस्थिति से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में और अधिक रुचि लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में येलो हाउस,रेड हाउस ,ब्लू हाउस, ग्रीन हाउस चार हाउस बनाएं गए। जिसमें सभी टीमों ने बड़ी उत्सुकता और आत्मविश्वास के साथ हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस दौरान येलो हाउस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया जिसके सदस्य दीपक,दुर्गा आर्यन जतिन अंश विहान,दीपिका रहे। इस दौरान स्कूल प्रधानाचार्या ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करतीं हैं।

पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति की प्रदेश स्तरीय बैठक

जींद। पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति हरियाणा की राज्य स्तरीय जर्नल बैठक का आयोजन जींद की जाट धर्मशाला में किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के राज्य प्रधान मनदीप नाथवान ने की। जबकि संचालन प्रदेश महासचिव संदीप सिवाच ने किया। इस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा के वरिष्ठ नेता कुलवंत सिंह संधू ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। बैठक में हरियाणाभर से आए किसान नेताओं व कार्यकर्ताओं ने संगठन की दिशा, भविष्य की रणनीति, आंदोलन की दशा-दिशा और संगठनात्मक मजबूती जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया। मुख्य वक्ता कुलवंत सिंह संधू ने किसानों को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष को और अधिक संगठित, जागरूक और तीव्र करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने मौजूदा हालात की समीक्षा करते हुए आंदोलन को नए चरण में प्रवेश कराने के लिए विचार साझा किए। बैठक में संगठनात्मक विस्तार पर विशेष चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि हर जिले, ब्लॉक और गांव स्तर तक समिति की इकाइयां बनाई जाएंगी। युवा वर्ग और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा ताकि संगठन की जड़ें समाज के हर हिस्से में मजबूत हों। आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए शहीद उधम सिंह के जन्मदिवस पर 31 जुलाई को सिरसा में किसान कन्वेंशन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसकी विस्तृत रूपरेखा प्रदेश कार्यकारिणी की अगली बैठक में तय की जाएगी।

एक दिवसीय शिविर में छात्राओं को किया गया जागरूक

सफीदो। नगर के राजकीय कन्या सीनियर सैकेंडरी स्कूल में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य बलजीत लांबा ने की। इस मौके नागरिक अस्पताल से काउंसलर कुशलवीर ने शिरकत की। कुशलवीर ने छात्राओं को मासिक धर्म में स्वच्छता, निजी अंगो की सफाई, संतुलित आहार, तनाव मुक्त रहने को लेकर जागरूक किया। इसके साथ-साथ सेनेटरी नैपकिन को प्रयोग करने बारे में जानकारी दी गई। काउंसलर कुशलवीर ने छात्राओं को प्रोटीन, विटामिन, खनिज, वसा, कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन बारे विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही बच्चों को जंक फूड एवं मोबाईल से दूरी बनाने हेतु बताया। कुशलवीर ने बताया कि यदि हम पोषित भोजन नहीं करेंगे तो हम खून की कमी, कमजोरी, चक्कर आना व थकावट होना आदि परेशानियों से ग्रस्त हो जाएंगे। हमें भोजन में हरी सब्जियों, फल, दालें, गुड़, दूध, पनीर का सेवन जरूर करना चाहिए। अपने संबोधन में प्राचार्य बलजीत लांबा ने कहा कि समय-समय पर स्कूल में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाता है ताकि छात्राओं को जीवन में आगे बढने के लिए जानकारियां प्राप्त हों। इस मौके मनोज कुमार, सतिन्द्र शर्मा, गीता, सोनु व मेघा इत्यादि मौजूद रहे।

सत्य भारती स्कूल शेरू खेरी द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

राजौद। सत्य भारती स्कूल शेरू खेड़ी में महिला सशक्तिकरण अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें माता-पिता, सामुदायिक सदस्यों और स्थानीय हितधारकों को बेटियों की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाया गया। इस दौरान अभियान में ग्राम पंचायत सरपंच, एसएमसी सदस्यों, आंगनवाड़ी कार्यकतार्ओं, डाकघर प्रतिनिधि तरुण भट्ट, सीएफएल, दिनेश कुमार,विक्रम सिंह, बीपीएम मुकेश शर्मा और प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार सहित विद्यालय के स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अभियान के दौरान, राज्य और केंद्र सरकार द्वारा बेटी के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की गई। इस पहल का उद्देश्य इन योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और समुदाय में लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाना था। अभियान ने बेटियों की शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सामुदायिक सदस्यों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

डीएफएससी के कर्मचारियों ने गेहूं चोरी करते एक चोर को दबोचा, दूसरा फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के गोदामों से बीते एक सप्ताह से लगातार हो रही गेहूं की चोरी से विभाग में हडकप मच गया था। अज्ञात चोर अब तक लगभग 12 कट्टे गेहूं चुरा चुके थे। चोरी की यह श्रृंखला विभागीय अधिकारियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुकी थी। अधिकारियों ने सतर्कता बढ़ा दी। विभाग के अधिकारियों ने चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए न केवल गोदामों की रैकी शुरू की, बल्कि चौकीदारों को भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। स्वयं अधिकारी भी नियमित रूप से निगरानी में जुट गए। बीती देर रात

बाइक पर सवार होकर चोरी की नीयत से आए चोरों को चौकीदारों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। हालांकि एक चोर भागने में सफल हो गया, जबकि दूसरा पकड़ा गया। घटना की जानकारी मिलते ही विभाग के एएफएसओ विजेंद्र सिंह व इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे व पुलिस को सूचित किया। पकड़े गए चोर को पुलिस के हवाले कर दिया गया है और फरार चोर की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। इस घटनाक्रम के बाद विभाग ने गोदामों की सुरक्षा को लेकर नए सिरे से रणनीति बनाने की बात कही है। क्षेत्र में सक्रिय चोर गिरोहों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

चोरी बर्दाश्त नहीं

चौकी प्रभारी सब-इंस्पेक्टर बहादुर सिंह ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि चोरी जैसी घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही उसे भी पकड़ लिया जाएगा। बहादुर सिंह ने कहा कि मामले की पूरी तह तक जाकर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न कर सके।

सुदामा चरित्र हमें देता है मित्रता, भक्ति और सेवाभाव की प्रेरणा: विपिन चंद्र शास्त्री

सफीदों। नगर की गुरुद्वारा गली स्थित शिव शक्ति कृपा मंदिर संकीर्तन भवन में श्रीमद् दंडी स्वामी डा. निगमबोध तीर्थ महाराज के सानिध्य में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धालुओं को व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कथा वाचक विपिन चंद्र शास्त्री ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण जी के रुक्मणी जी सहित आठ विवाह हुए थे। भगवान श्रीकृष्ण ने असुर नरकासुर से 16,000 रानियों को मुक्त करवाया था। नरकासुर ने इन रानियों को बंदी बनाकर रखा था। ये रानियां ऋषि-मुनि थीं जिन्होंने तपस्या करके श्री कृष्ण से प्रेम और अपने निवास में स्थान प्राप्त करने का वरदान मांगा था। नरकासुर ने अमरत्व पाने के लिए इन कन्याओं को बलि के लिए कैद किया था। भगवान कृष्ण ने इन सभी रानियों को नरकासुर से मुक्त कराकर उनके साथ विवाह किया था। उन्होंने सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान कृष्ण और उनके मित्र सुदामा के बीच गहरी मित्रता थी। सुदामा चरित्र, सच्चे मित्र की पहचान और मित्रता के महत्व का वर्णन करता है। भगवान कृष्ण ने अपने मित्र सुदामा की दीनता को देखकर तत्काल उनकी मदद की। सुदामा की भगवान कृष्ण के प्रति अटूट भक्ति और समर्पण, उनकी दीनता के बावजूद, प्रेरणादायक है। सुदामा ने अपनी दीनता और गरीबी के बावजूद कभी भी भगवान से कुछ नहीं मांगा, बल्कि उन्होंने अपने मित्र के रूप में भगवान को ही सब कुछ माना और हमेशा भगवान के प्रति सेवा का भाव रखा। सुदामा गरीबी में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दुखी थे। उनकी पत्नी ने उन्हें भगवान कृष्ण से मदद मांगने के लिए कहा, जो उनकी बचपन के मित्र थे। सुदामा द्वारका गए, जहां भगवान कृष्ण ने उन्हें नंगे पैर जाकर गले लगाया और अपने सिंहासन पर बिठाया। भगवान कृष्ण ने सुदामा के चरण धोए और उन्हें वस्त्र व भोजन दिया।

तहसील कार्यालय में किसान मोर्चा का धरना रहा जारी

नरवाना। तहसील कार्यालय में संयुक्त किसान मोर्चे का। धरना मास्टर बलबीर सिंह राज्य अध्यक्ष अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा के नेतृत्व में आज भी जारी रहा। मास्टर बलजीत सिंह माण्डी ने मंच सांझा करते हुए बताया कि मौजूदा व्यवस्था में सत्ता का चरित्र कभी नहीं बदलता केवल सत्ता के मोहरे बदल जाते हैं। जिन पर भी जनता विश्वास करती हैं वही विश्वासघात कर जाते हैं और किसान मजदूर ठगा सा मुंह ताकता रह जाता हैं क्यों कि नारा 2022 तक किसानों की आय दोगुणी करने का लगाया जाता परंतु खाद बीज दवाईयों पर सब्सिडी खत्म कर खेती के औजारों और खाद बीज दवाईयों पर सब से अधिक ;जी एस टीद्ध लगा दी जाती हैहेलीकॉप्टर खरीदने पर ;जी एस टी द्ध 6 प्रतिशत लगती है परन्तु मोटरसाइकल खरीदने पर 18 प्रतिशत ;जी एस टीद्ध देनी पड़ती है। सांसदों को फ्री बिजली मिलती है। एक गांव में रहने वाले किसान मजदूर को एनर्जी चार्जेज के इलावा फ्यूल सरचार्ज इत्यादि भी वसूला जा रहा है।

सरस्वती पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन

मेगा सम्मान समारोह में विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल परीक्षा परिणाम को लेकर सरस्वती पब्लिक स्कूल सेगा में विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बोर्ड की परीक्षा में रिकॉर्ड तोड़ परिणाम प्राप्त करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा। इसमें अश्वनी पेतड ने 98% अंकों के साथ हरियाणा प्रदेश में आठवां रैंक हासिल किया। रिया ने 97.8% के साथ हरियाणा प्रदेश में नौंवा रैंक प्राप्त किया। आदित्य 97% सेजल 97% सुहानी 96% शीतल 95.4% पायल 95.2% स्नेहा 95% महक 93.6% अभिनव 93.4% महक

92.4% जिया 92.2% अमन 87.8% मुस्कान 87.2% लक्ष्य 86.8% हर्षित 86.2% संजना 86.2% विनय 86% मनदीप 83.2% हरीश 82% अभिनव 81.4% आरती 81.4% समय 80.6% अनुषा 80.2% अभिनव 80% भूषण 80% हिमांशु 77.3% जश्नप्रीत 77.2% गौरव 76.2% राहुल 75.4% खुशी 88% थ्रू 87% यशस्विनी 86% मनुस्मृति 84.4% अंजलि 83.8% रितु 83.2% महक 75% कुसुम 73% अंकुश 72.4% खुशी 72% के साथ विद्यालय में 39 छात्रों में से 26 छात्रों ने मेरिट हासिल की 13 छात्रों ने प्रथम श्रेणी से दसवीं की कक्षा पास की चार बच्चों ने गणित में 100% अंक प्राप्त किया। 6 बच्चों ने संस्कृत में 100% अंक चार बच्चों ने संस्कृत में 99% अंक, चार बच्चों ने साइंस में 99% अंक, चार बच्चों ने सामाजिक विज्ञान में 99% अंक, तीन बच्चों ने हिंदी में 98% अंक के साथ एक उत्कृष्ट परिणाम विद्यालय को दिया। स्कूल में विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर व सम्मानित किया गया। स्कूल प्रबंधक मेहर सिंह ने बच्चों व अभिभावकों को सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई देते हुए बच्चों का मार्गदर्शन किया और भविष्य में मोबाइल फोन से और सोशल मीडिया से दूरी बनाने का निर्देश बच्चों को दिया। प्रिंसिपल रूबी राणा ने सभी अभिभावक गानों का स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया बच्चों और अभिभावक गण को बधाई दी। मंच संचालन करते हुए कृष्ण केंदल ने पूरे परिणाम का ब्यौरा अभिभावकों को दिया। कमेटी सचिव रणवीर, मैडम प्रीति, गुरनाम द्वारा बच्चों को सम्मानित किया गया। गुरनाम ने बच्चों को बधाई देते हुए भविष्य में विद्यालय से ऐसे ही उत्कृष्ट परिणाम की आशा जताई। इस अवसर पर आनंद शर्मा, कुलदीप शर्मा, मैडम सोनिया ,सुमन, नवनीत, प्रवीण ज्योति ,पूजा,शालू , मोनिका, पूनम ,संगीता ,शीतल ,ज्योति सभी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

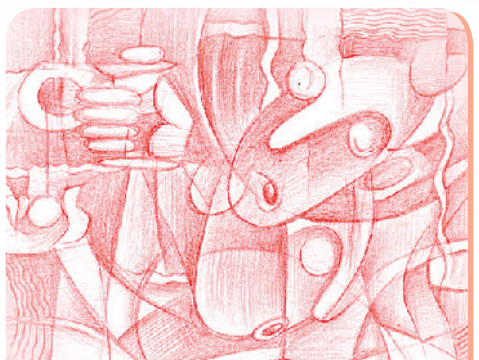

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

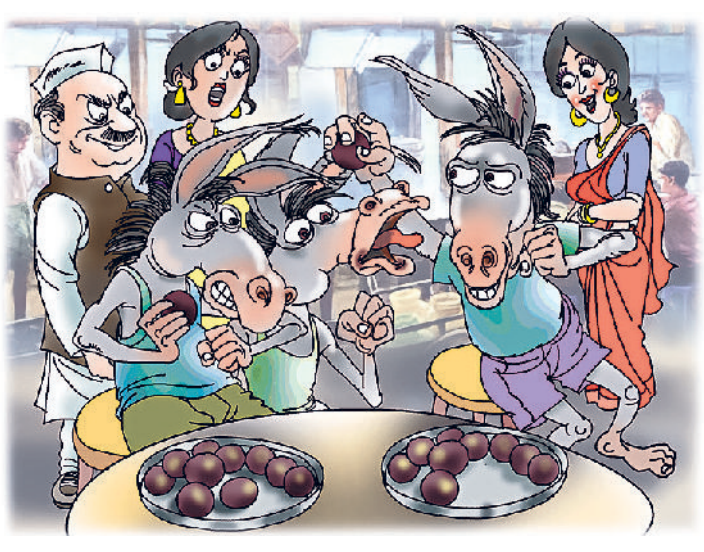

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *